प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 30.05.2024 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग में "भारतीय दर्शनिक परम्परा में मूल्य" विषय पर आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवसीय मूल्यवर्द्धित पाठ्यक्रम का प्रारम्भ प्रातः 9:00 बजे से हुआ। पाठ्यक्रम के संयोजक एवं दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. द्वारका नाथ ने विषय प्रवर्तन करते हुए भारतीय दर्शन परम्परा में मूल्य को वैदिक वाड़ग्मय से लेकर आधुनिक एवं समकालीन भारतीय दर्शन तक, के सन्दर्भ में उसकी संरचना, वर्गीकरण तथा उसके विविध पक्षों को रेखांकित किया। पाठ्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. इन्दू पाण्डेय खण्डूरी, आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखण्ड रहीं। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने भारतीय चिन्तन परम्परा में मूल्य के विविध आयामों की विस्तार से चर्चा करते हुए ऋत् और ऋण की अवधारणा के साथ ही स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व जैसे मूल्यों को विश्लेषित किया। उन्होंने सांख्य दर्शन के सन्दर्भ में त्रिविध दुःखों से निवृत्ति सहित धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को समझाया। पाठ्यक्रम के द्वितीय सत्र में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक के दर्शनशास्त्र विभाग के सह–आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. गोविन्द प्रसाद मिश्र ने मूल्य को परिभाषित करते हुए उसे जीवन का आधार बताया। उन्होंने कहा की मूल्य हमें निम्नतर से उच्चतर जीवन की ओर ले जाते हैं और पतनोन्मुख होने से रोकते हैं। पाठ्यक्रम के तृतीय सत्र मे ंबी.आर.ए. मुजफ्फरपुर विश्वविद्यालय, बिहार के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. सरोज कुमार वर्मा ने भारतीय चिन्तन परम्परा में मूल्यों का विस्तार से वर्गीकरण करते हुए उसके सभी पक्षों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया की मूल्य सापेक्षतया साध्य एवं साधन दोनों होते हैं तथा जीवन के आधार और आधेय भी होते हैं। उन्होंने कहा कि मूल्यों का अनुपालन मोक्षदायी होता है।

उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता दी.द.उ.गो.वि.वि.गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम संयोजक प्रो. द्वारका नाथ ने किया। सम्मिलित अतिथियों, प्रतिभागियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, विभागीय शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रति आभार ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य, डॉ. संजय कुमार तिवारी ने किया। उक्त पाठ्यक्रम में भारी संख्या में अपनी उपस्थिति से प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रो. द्वारका नाथ
पाठ्यक्रम संयोजक एवं अध्यक्ष
दर्शनशास्त्र विभाग
दी.द.उ.गो.वि.वि.गोरखपुर